MP Board Class 11 Economics Important Questions Chapter 3 उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण: एक समीक्षा

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
1991 के आर्थिक संकट के समय भारत को किन अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा ऋण मिला था? नाम लिखें।
उत्तर:
उस समय अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (विश्व बैंक) तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण मिला।

प्रश्न 2.
विश्व बैंक का नाम लिखिए।
उत्तर:
अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक।

प्रश्न 3.
नवीन आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत विशष रूप से किन क्षेत्रों में सुधार किया गया?
उत्तर:
नवीन आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत औद्योगिक क्षेत्रक, वित्तीय क्षेत्रक, कर सुधार, विदेशी विनिमय बाजार, व्यापार तथा निवेश क्षेत्रक में सुधार किया गया।

प्रश्न 4.
नवीन आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया कब प्रारम्भ
उत्तर:
नवीन आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया वर्ष 1991 से प्रारम्भ हुई।

प्रश्न 5.
वर्ष 1991 में भारत सरकार के सम्मुख उपस्थित कोई दो संकट बताइए।
उत्तर:

1. विदेशी ऋणों से सम्बन्धी संकट
2. विदेश मुद्रा कोष का अभाव।

प्रश्न 6.
विश्व बैंक तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा ऋण देते समय भारत सरकार के सम्मुख रखी किन्हीं दो शर्तों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. सरकार उदारीकरण करेगी।
2. निजी क्षेत्र पर लगे प्रतिबन्ध में कमी करना।

प्रश्न 7.
आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत व्यापारिक नीतियों में सुधार के कोई दो लक्ष्य बताइए।
उत्तर:

1. आयात और निर्यात पर परिमाणात्मक प्रतिबन्धों की समाप्ति।
2. प्रशुल्क दरों में कटौती।

प्रश्न 8.
भारत में नवीन आर्थिक नीति अपनाने की क्या आवश्यकता पड़ी?
उत्तर:
वर्ष 1991 में भारत में भीषण आर्थिक एवं वित्तीय संकट पैदा हो गया था अत: उसे दूर करने के लिए नवीन आर्थिक नीति अपनाई गई।

प्रश्न 9.
नवीन आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत औद्योगिक क्षत्र में आर्थिक सुधार हेतु उठाए गए कोई दो कदम बताइए।
उत्तर:

1. उद्योगों को लाइसेन्स से छूट प्रदान की गई।
2. सार्वजनिक क्षेत्र हेतु आरक्षित उद्योगों की संख्या कम की गई।

प्रश्न 10.
आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण की नीति की कोई दो उपलब्धियाँ बताइए।
उत्तर:

1. इससे आर्थिक विकास दर में वृद्धि हुई
2. आर्थिक सुधारों के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा भण्डार में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 11.
निजीकरण से क्या आशय है?
उत्तर:
सार्वजनिक उपक्रमों की सम्पत्ति तथा प्रबन्ध को निजी हाथों में सौंपना निजीकरण कहलाता है।

प्रश्न 12.
निजीकरण के पक्ष में कोई दो तर्क दीजिए।
उत्तर:

1. राजकीय उपक्रमों की कुशलता में वृद्धि करना।
2. सार्वजनिक उपक्रमों की लाभदायकता में वृद्धि करना।

प्रश्न 13.
बाह्य प्रापण से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
कम्पनियों द्वारा किसी बाह्य स्रोत या संस्था से नियमित सेवाएँ प्राप्त करना बाह्य प्रापण कहलाता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
भारत में किस प्रक्रिया के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण किया गया?
उत्तर:
भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का विनिवेश की प्रक्रिया के माध्यम से निजीकरण किया जा रहा है।

प्रश्न 15.
वैश्वीकरण का अर्थ बताइए।
उत्तर:
प्रत्येक देश का अन्य देशों के साथ वस्तु, सेवा, पूँजी एवं बौद्धिक सम्पदा का अप्रतिबन्धित आदान-प्रदान ही वैश्वीकरण कहलाता है।

प्रश्न 16.
भारत में वैश्वीकरण की नीति के कोई दो सकारात्मक प्रभाव बताइए।
उत्तर:

1. भारत के निर्यातों में वृद्धि हुई है।
2. भारत की विदेशी ऋणों पर निर्भरता में कमी आई

प्रश्न 17.
विनिवेश नीति का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
सार्वजनिक उपक्रमों में सरकार द्वारा अपनी पूंजी को वित्तीय संस्थाओं एवं जनता के लिए निर्गमित करना।

प्रश्न 18.
भारत की किन्हीं दो महारत्न कम्पनियों के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. स्टील ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (SAIL)
2. इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (IOC)

प्रश्न 19.
विश्व व्यापार संगठन (WTO) का गठन किस वर्ष किया गया?
उत्तर:
विश्व व्यापार संगठन (WTO) का गठन वर्ष 1995 में किया गया।

प्रश्न 20.
व्यापार और सीमा शुल्क महासन्धि (GATT) के स्थान पर किस संगठन की स्थापना की गई?
उत्तर:
व्यापार और सीमा शुल्क महासन्धि (GATT) के स्थान पर विश्व व्यापार संगठन की स्थापना की गई।

प्रश्न 21.
व्यापार और सीमा शुल्क महासन्धि (GATT) की रचना किस वर्ष की गई?
उत्तर:

व्यापार और सीमा शुल्क महासन्धि की रचना वर्ष 1948 में की गई।

प्रश्न 22.
द्विपक्षीय व्यापार का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
दो देशों के मध्य होने वाले व्यापार को द्विपक्षीय व्यापार कहा जाता है।

प्रश्न 23.
आर्थिक सुधार से क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
आर्थिक सुधार से अभिप्राय उन सभी उपायों से है जिनका उद्देश्य अर्थव्यवस्था को अधिक कुशल, प्रतिस्पर्धी एवं विकसित बनाना है।

प्रश्न 24.
घाटे के बजट का क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
घाटे के बजट में सरकार के व्यय, सरकार की आय से अधिक होते हैं।

प्रश्न 25.
वर्ष 1991 के सुधारों के अन्तर्गत लाइसेन्स की अनिवार्यता की श्रेणी में कितने उद्योगों को रखा गया?
उत्तर:
वर्ष 1991 में छ: प्रकार के उद्योगों को लाइसेन्स लेना अनिवार्य किया गया।

प्रश्न 26.
भारत सरकार द्वारा आयातों के नियन्त्रण हेतु , लगाए जाने वाले किसी एक अप्रशुल्क अवरोधक का नाम न बताइए।
उत्तर:
कोटा।

प्रश्न 27.
भारत सरकार द्वारा नवीन आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत किन नीतियों को अपनाया?
उत्तर:

1. उदारीकरण
2. निजीकरण
3. वैश्वीकरण।

प्रश्न 28.
प्रत्यक्ष कर किसे कहते हैं? कोई एक उदाहरण दीजिए।
उत्तर:
प्रत्यक्ष कर वे कर हैं जो व्यक्तियों की आय और व्यावसायिक उद्यमों के लाभ पर लगाए जाते हैं, जैसेआयकर।

https://www.evidyarthi.in/

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
भारत में आर्थिक सुधारों के औचित्य की व्याख्या कीजिए।
उत्तर:
भारत में आर्थिक सुधारों का दौर जुलाई, 1991 से प्रारम्भ हुआ। इसके लिए अनेक कारण जिम्मेदार थे। इससे पूर्व भारत में नियोजित विकास में अनेक दोष उत्पन्न हो गए थे। 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था गहरे वित्तीय संकट में फंस गई थी तथा उस समय विदेशी मुद्रा कोष न्यूनतम स्तर पर पहुँच गया था। विदेशों में भारत की साख घट गई थी। अतः देश में आर्थिक सुधारों की नीति अपनाई गई।

प्रश्न 2.
भारत के नव - आर्थिक सुधारों से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
भारत में वर्ष 1991 में सरकार ने अर्थव्यवस्था को सरकारी तन्त्र के कठोर नियन्त्रणों से निकाल कर बाजारोन्मुख एवं प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए आर्थिक सुधारों तथा आर्थिक उदारीकरण की अनेक नीतियाँ प्रारम्भ की जिनें नवीन आर्थिक सुधारों की संज्ञा दी गई। सरकार ने इन सुधारों के तहत निजीकरण एवं उदारीकरण की नीति को अपनाया तथा वैश्वीकरण की नीति के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था के द्वार विदेशी निवेशकों हेतु खोल दिए।

प्रश्न 3.
वैश्वीकरण, निजीकरण तथा उदारीकरण से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
वैश्वीकरण - वैश्वीकरण का तात्पर्य देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करने से है।
निजीकरण - किसी सार्वजनिक उपक्रम की सम्पत्तियाँ तथा प्रबन्ध को निजी व्यवसायी अथवा उपक्रम को हस्तान्तरित करना निजीकरण कहलाता है।

उदारीकरण - उदारीकरण का अर्थ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर लगे हुए नियन्त्रणों को उदार बनाने की प्रक्रिया से है।

प्रश्न 4.
नवीन आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत औद्योगिक क्षेत्र में किए गए कोई पाँच आर्थिक सुधारों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. देश में 6 उद्योगों को छोड़कर सभी उद्योगों को लाइसेन्स से छूट प्रदान कर दी गई।
2. सार्वजनिक उपक्रमों का कार्यक्षेत्र अत्यन्त सीमित कर दिया गया।
3. सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की नीति को अपनाया गया।
4. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को बढ़ावा देने का प्रयास - किया गया।
5. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की निवेश सीमा में बढ़ोतरी की गई।

प्रश्न 5.
निजीकरण तथा इसके भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभावों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
निजीकरण के फलस्वरूप देश में उत्पादकता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि हुई है। निजीकरण से सार्वजनिक

उपक्रमों को राजनैतिक प्रभावों एवं प्रतिबद्धताओं से मुक्ति मिली है तथा अधिक कार्यकुशलता से कार्य करने के कारण उत्पादन लागत में भी कमी आई है। परन्तु इन सब सकारात्मक प्रभावों के उपरान्त भी निजीकरण के कारण आर्थिक असमानताओं एवं केन्द्रीयकरण की प्रवृत्तियों में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 6.
वैश्वीकरण के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों पर टिप्पणी
लिखिए।
उत्तर:
वैश्वीकरण से भारतीय अर्थव्यवस्था पर अनेक सकारात्मक प्रभाव पड़े हैं। इससे भारतीय व्यापार पर लगे प्रतिबन्धों की समाप्ति हुई जिससे विदेशी व्यापार में वृद्धि हुई। वैश्वीकरण से भारत में पूंजी के स्वतन्त्र आवागमन के लिए उपयुक्त वातावरण का निर्माण हुआ। वैश्वीकरण से भारत में नई तकनीकी का आसानी से आयात हुआ जिससे उत्पादकता में वृद्धि हुई तथा उत्पादन लागत में कमी आई है। इससे देश के निर्यातों में वृद्धि हुई एवं उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार हुआ।

प्रश्न 7.
निजीकरण का क्या अर्थ है? इसके तीन उद्देश्य बताइए।
उत्तर:
निजीकरण - किसी सार्वजनिक उपक्रम की सम्पत्तियाँ तथा प्रबन्ध को निजी व्यवसायी अथवा उपक्रम को हस्तान्तरित करना निजीकरण कहलाता है।
उद्देश्य:

1. सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यकुशलता एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।
2. अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि करना।
3. देश के औद्योगिक विकास को तीव्र करना।

प्रश्न 8.
भारत के संदर्भ में वैश्वीकरण के दो सकारात्मक तथा दो नकारात्मक प्रभाव लिखिए।
उत्तर:
वैश्वीकरण के दो सकारात्मक प्रभाव:

1. वैश्वीकरण के फलस्वरूप भारत के विदेशी व्यापार में वृद्धि हुई है।
2. वैश्वीकरण देश के औद्योगिक विकास में सहायक रहा है।

वैश्वीकरण के दो नकारात्मक प्रभाव:

1. वैश्वीकरण से विदेशी आयातित वस्तुओं के कारण हमारे उद्योगों के सम्मुख प्रतिस्पर्धा बढ़ी है।
2. वैश्वीकरण का भारत में कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

प्रश्न 9.
निजीकरण के औचित्य के पक्ष में कोई छः तर्क लिखिए।
उत्तर:

1. निजीकरण से राजकीय उपक्रमों की अकुशलता में कमी आई है।

https://www.evidyarthi.in/

2. निजीकरण से सरकारी आय में वृद्धि हुई है।
3. निजीकरण से राजकीय उपक्रमों की कार्यकुशलता एवं उत्पादकता में वृद्धि हुई है।
4. निजीकरण से उद्योगों की प्रतिस्पर्सात्मक क्षमता में वृद्धि हुई है।
5. निजीकरण से देश के औद्योगिक विकास में तीव्रता आई है।
6. निजीकरण से उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हुआ

प्रश्न 10.
वैश्वीकरण के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले कोई छः सकारात्मक प्रभाव बताइए।
उत्तर:

1. वैश्वीकरण से देश में विदेशी मुद्रा भण्डारों में वृद्धि हुई है।
2. वैश्वीकरण से भारत के निर्यातों में वृद्धि हुई है।
3. वैश्वीकरण से देश के विदेशी व्यापार में वृद्धि
4. वैश्वीकरण के फलस्वरूप विदेशी ऋणों पर निर्भरता में कमी आई है।
5. वैश्वीकरण देश के औद्योगिक विकास में सहायक रहा है।
6. वैश्वीकरण से देश के प्रौद्योगिकी के स्तर में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

प्रश्न 11.
वैश्वीकरण की प्रक्रिया के अन्तर्गत वित्तीय क्षेत्रक में क्या सुधार किए गए?
उत्तर:
वित्तीय क्षेत्रक में सुधार - नई आर्थिक सुधार नीति के अन्तर्गत वित्तीय क्षेत्र में सुधार करने हेतु अनेक कदम उठाए गए। भारत में वित्तीय क्षेत्र में निजी एवं विदेशी बैंकों को स्थापना की अनुमति प्रदान की गई। बैंकों में विदेशी पूँजी निवेश की सीमा में वृद्धि की गई। इसके साथ ही विभिन्न विदेशी वित्तीय संस्थाओं, व्यापारिक बैंकों, म्युचुअल फण्ड तथा पेंशन कोष आदि हेतु भारतीय अर्थव्यवस्था को खोल दिया गया।

प्रश्न 12.
उदारीकरण की प्रक्रिया के दौरान व्यापार एवं निवेश नीति में क्या सुधार किए गए?
उत्तर:
व्यापार एवं निवेश नीति में सुधार - इस नीति में अर्थव्यवस्था में औद्योगिक उत्पादों और विदेशी निवेश तथा प्रौद्योगिकी की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापार एवं निवेश व्यवस्थाओं का उदारीकरण प्रारम्भ किया गया। साथ ही देश में आयात एवं निर्यातों पर लगाए अप्रशुल्क प्रतिबन्धों को समाप्त किया गया एवं प्रशुल्क दरों में कटौती की गई। आयात लाइसेन्स व्यवस्था को समाप्त किया गया तथा निर्यात शुल्क को भी समाप्त किया गया।

प्रश्न 13.
भारत में आर्थिक सुधारों से पूर्व औद्योगिक क्षेत्रक की नियमन प्रणालियों को किस प्रकार से लागू किया गया था?
उत्तर:
भारत में नियमन प्रणालियों को निम्न प्रकार से लागू किया गया था

1. सुधारों से पूर्व औद्योगिक नियमन हेतु औद्योगिक लाइसेन्स की व्यवस्था को अपनाया गया था।
2. अनेक उद्योगों में निजी क्षेत्र के प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगाए गए थे।
3. लघु उद्योगों हेतु वस्तुओं को आरक्षित कर रखा था तथा कीमत एवं वितरण पर भी अनेक नियन्त्रण थे।

प्रश्न 14.
भारत में उदारीकरण की प्रक्रिया के अन्तर्गत औद्योगिक क्षेत्रक में किए गए किन्हीं तीन सुधारों, का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. भारत में आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत 6 उद्योगों को छोड़कर शेष सभी उद्योगों को लाइसेन्स की अनिवार्यता से मुक्त कर दिया गया।
2. इस प्रक्रिया के अन्तर्गत सार्वजनिक क्षेत्र को अत्यन्त सीमित कर दिया गया, शेष सभी क्षेत्र निजी क्षेत्र हेतु खोल दिए गए।
3. लघु उद्योगों हेतु वस्तुओं को आरक्षित श्रेणी से बाहर कर दिया गया।

प्रश्न 15.
"आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रत्यक्ष करों में कमी की गई।" इसके पीछे क्या कारण?
उत्तर:
आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रत्यक्ष मो| करों में कमी की गई क्योंकि उच्च कर की दरों पर करयशवंचन अर्थात् कर की चोरी होती थी जिस कारण सरकार की जी करों से प्राप्त आय कम हो जाती थी। इसके अतिरिक्त करों की दर कम करने से लोगों को बचत की प्रेरणा मिलती है तथा लोग स्वेच्छा से अपनी आय का विवरण दे देते हैं। बचतों में वृद्धि होने पर अर्थव्यवस्था में निवेश में भी वृद्धि होती है। अत: आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रत्यक्ष करों में कमी की गई।

प्रश्न 16.
आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत विदेशी विनिमय के क्षेत्र में क्या सुधार किए गए?
उत्तर:
भारत में आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत विदेशी विनिमय के क्षेत्र में अनेक सुधार किए गए। सबसे पहले तो भुगतान सन्तुलन की समस्या दूर करने हेतु भारतीय रुपये का अवमूल्यन किया गया। इससे विदेशी मुद्रा के आगमन में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त विदेशी विनिमय बाजार में रुपये के मूल्य के निर्धारण को भी सरकारी नियन्त्रण से मुक्त करने की पहल की गई।

प्रश्न 17.
विश्व व्यापार संगठन (WTO) पर संक्षिप्त - टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
वर्ष 1995 में पूर्व में प्रचलित व्यापार और सीमा शुल्क महासन्धि (GATT) के स्थान पर विश्व व्यापार संगठन (WTO) की स्थापना की गई। इस संगठन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य सभी देशों को विश्व व्यापार में समान अवसर प्रदान करना था। साथ ही ऐसी नियम आधारित व्यवस्था की स्थापना करना था जिससे विश्व व्यापार की रुकावटें दूर हो सकें। इस संगठन का एक उद्देश्य साधनों का इष्टतम उपयोग करना एवं पर्यावरण संरक्षण भी है।

प्रश्न 18.
"विश्व व्यापार संगठन में भारत की सदस्यता का कोई औचित्य नहीं है।" इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।
उत्तर:
कुछ विद्वानों का मानना है विश्व व्यापार संगठन का अधिकांश लाभ केवल विकसित राष्ट्रों को ही प्राप्त हुआ। साथ ही विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों में दी जाने वाली कृषि सहायिकी का भी विरोध किया गया। इसके

https://www.evidyarthi.in/

अलावा विकसित देशों ने अपने बाजारों को किसी न किसी बहाने से अन्य देशों हेतु बन्द ही कर रखा है जिससे विकासशील देशों को कोई विशेष लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। अत: विश्व व्यापार संगठन में भारत की सदस्यता का कोई औचित्य नहीं है।

प्रश्न 19.
नवीन आर्थिक सुधारों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले कोई चार प्रभाव बताइए।
उत्तर:

1. इन सुधारों के फलस्वरूप देश में विकास दर में वृद्धि हुई तथा उत्पादन में भी वृद्धि हुई।
2. इन आर्थिक सुधारों का कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
3. नवीन आर्थिक सुधारों के फलस्वरूप घरेलू उद्योगों की समृद्धि दर में कमी आई।
4. नवीन आर्थिक सुधारों के फलस्वरूप जन-कल्याण कार्यों पर व्यय की जाने वाली राशि में कमी आई है।

प्रश्न 20.
उदारीकरण का अर्थ बताते हुये इसके अन्तर्गत भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार हेतु क्या-क्या कदम उठाये गये?
उत्तर:
उदारीकरण - उदारीकरण का अर्थ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर लगे हुए नियन्त्रणों को उदार बनाने की प्रक्रिया से है।

भारत में उदारीकरण के तहत निम्न सुधार किए:

1. औद्योगिक क्षेत्रक का विनियमीकरण किया गया।
2. वित्तीय क्षेत्रक में सुधार किए गए।
3. कर व्यवस्था में सुधार किए गए।
4. सार्वजनिक क्षेत्रक को सीमित किया गया।
5. करों में कमी की गई एवं कर प्रणाली को सरल बनाया गया।
6. विदेशी विनिमय में सुधार के प्रयास किए गए।
7. प्रशुल्क दरों में कमी की गई एवं परिमाणात्मक प्रतिबन्धों को समाप्त किया गया।

प्रश्न 21.
वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
प्रत्येक देश का अन्य देशों के साथ वस्तु, सेवा, पूँजी एवं बौद्धिक सम्पदा का अप्रतिबन्धित आदान - प्रदान ही वैश्वीकरण कहलाता है। अन्य शब्दों में किसी वस्तु, सेवा, विचार, पद्धति अथवा सिद्धान्त को विश्वव्यापी बनाना ही उस वस्तु, सेवा, विचार, पद्धति अथवा सिद्धान्त का वैश्वीकरण है। वैश्वीकरण में आवश्यक है कि आदानप्रदान के मार्ग में किसी देश द्वारा अवरोध उत्पन्न नहीं किया

प्रश्न 22.
औद्योगिक क्षेत्रक के विनियमीकरण से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
औद्योगिक क्षेत्रक का विनियमीकरण-इसके अन्तर्गत औद्योगिक लाइसेन्सिग नीति का सरलीकरण किया गया। इस विनियमीकरण की प्रक्रिया में कई प्रतिबन्धित उद्योगों को निजी क्षेत्र हेतु खोल दिया गया। अधिकांश उद्योगों

हेतु लाइसेन्स की अनिर्वायता समाप्त कर दी गई। सार्वजनिक क्षेत्रक को बहुत सीमित कर दिया गया, सार्वजनिक क्षेत्र हेतु कछ उद्योगों को छोडकर शेष सभी उद्योगों को निजी क्षेत्र हेतु खोल दिया गया। लघु उद्योगों द्वारा उत्पादित अनेक वस्तुएँ अनारक्षित श्रेणी में आ गईं।

प्रश्न 23.
भारत में नवीन आर्थिक सुधारों का उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:
भारत में नवीन आर्थिक सुधारों का औद्योगिक क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा तथा औद्योगिक विकास की दर में उतार - चढ़ाव की स्थिति रही। औद्योगिक विकास की दर में कमी का मुख्य कारण उद्योगों की मांग में होने वाली कमी थी। उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के कारण आयातों पर से प्रतिबन्ध समाप्त कर दिए गए जिससे हमारे उत्पाद, सस्ते आयातों का मुकाबला नहीं कर पाए एवं उनकी मांग में गिरावट आई।

प्रश्न 24.
प्रशुल्क क्या है तथा प्रशुल्क क्यों लगाए जाते हैं?
उत्तर:
प्रशुल्क वह कर है जो आयातित वस्तुओं पर लगाए जाते हैं। प्रशुल्क दरों में परिवर्तन कर आयातित वस्तुओं की मात्रा को नियन्त्रित किया जाता है। प्रशुल्क लगाने का मुख्य उद्देश्य आयातित वस्तुओं की मात्रा को सीमित करके आन्तरिक उद्योगों को संरक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशुल्क द्वारा आन्तरिक उद्योगों को विदेशी वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा से बचाया जाता है।

प्रश्न 25.
आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के अन्तर्गत विदेशी बैंकों हेतु अपनाई गई नीति को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
नवीन आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के अन्तर्गत भारत द्वारा विदेशी बैंकों को भी प्रोत्साहित किया गया है। कुछ निश्चित शर्तों को पूरा करने वाले बैंक अब रिजर्व बैंक की अनुमति के बिना भी नई शाखायें खोल सकते हैं तथा पुरानी शाखाओं को अधिक युक्तिसंगत बना सकते हैं। यद्यपि बैंकों को अब देश - विदेश से और अधिक संसाधन जुटाने की भी अनुमति है किन्तु खाता धारकों और देश के हितों की रक्षा के उद्देश्य से कुछ नियन्त्रक शक्तियाँ अभी भी रिजर्व बैंक के पास हैं। विदेशी निवेश संस्थाओं तथा व्यापारी बैंक, म्युचुअल फंड तथा पेंशन कोष आदि को भी अब भारतीय वित्तीय बाजारों में निवेश की अनुमति मिल गई है।

प्रश्न 26.
भारत में कर सुधारा के अन्तर्गत अपनाई गई प्रत्यक्ष कर नीति को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
देश में आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत कर नीति में भी अनेक सुधार किए गए हैं। वर्ष 1991 के पश्चात् भारत में व्यक्तिगत आय पर लगाए गए करों की दरों में निरन्तर कमी की गई है। इसके पीछे मुख्य धारणा यह थी कि उच्च कर दरों के कारण ही कर की चोरी होती है। अब यह भी स्वीकार किया जाने लगा है कि यदि करों की दरें नीची हों तो बचतों को भी बढ़ावा मिलता है तथा लोग स्वेच्छा से कर प्रदान कर देते हैं।

प्रश्न 27.
भारत में आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत कर व्यवस्था में किए गये किन्हीं चार सुधारों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

1. भारत में आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत प्रत्यक्ष करों की दरों में निरन्तर कमी की गई है ताकि कर चोरी को रोका जा सके।
2. निगम कर की दर को धीरे-धीरे कम किया गया है।
3. अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में भी अनेक सुधार किए गए हैं।
4. कर प्रणाली में भी सुधार किए गए हैं अब कर प्रणाली को बहुत सरल बना दिया गया है।

प्रश्न 28.
भारत में वर्ष 1991 के पश्चात् रुपये का अवमूल्यन क्यों किया गया?
उत्तर:
भारत में वर्ष 1991 में भारत को विदेशी ऋणों के मामले में संकट का सामना करना पड़ा तथा उस समय हमारा विदेश मुद्रा रिजर्व भी नाममात्र का ही था तथा भारत के सम्मुख विदेशी ऋणों के भुगतान की सबसे बड़ी समस्या थी। अतः 1997 में भुगतान संतुलन की समस्या के तात्कालिक निदान के लिए अन्य देशों की मुद्रा की तुलना में रुपये का अवमूल्यन किया गया। इससे देश में विदेशी मुद्रा के आगमन में वृद्धि हुई।

प्रश्न 29.
भारत सरकार ने 1991 में आर्थिक संकटों से उबरने हेतु क्या उपाय किए?
उत्तर:
भारत सरकार ने 1991 में आर्थिक संकटों से उबरने हेतु नई आर्थिक नीति की घोषणा की जिसमें उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण की नीति अपनायी। सार्वजनिक क्षेत्रों को सीमित किया, निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित किया, लाइसेन्सिंग प्रणाली को लगभग समाप्त कर दिया, करों में कटौती की गई तथा कर प्रणाली को सरल बनाया गया, रुपये का अवमूल्यन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने प्रशुल्क दरों में कटौती की तथा परिमाणात्मक प्रतिबन्धों को समाप्त किया। सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की नीति अपनायी।

प्रश्न 30.
भारत में वर्ष 1991 के पश्चात् व्यापार - नीति में किए गए किन्हीं चार सुधारों का उल्लेख
कीजिए।
उत्तर:

1. हानिकारक और पर्यावरण संवेदी उद्योगों के उत्पादों को छोड़कर, अन्य सभी वस्तुओं पर से आयात लाइसेन्स व्यवस्था समाप्त कर दी गई।
2. अप्रेल, 2001 से कृषि पदार्थों तथा औद्योगिक उपभोक्ता पदार्थों के आयात भी मात्रात्मक प्रतिबन्धों से मुक्त कर दिए गए।
3. भारतीय वस्तुओं का अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में स्पर्धा शक्ति बढ़ाने के लिए उन्हें निर्यात शुल्क से मुक्त कर दिया गया है।
4. विभिन्न प्रशुल्कों की दरों में कटौती की गई है।

प्रश्न 31.
भारत में विनिवेश पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
किसी सार्वजनिक क्षेत्रक के उद्यम द्वारा जन सामान्य को इक्विटी की बिक्री के माध्यम से निजीकरण को विनिवेश कहा जाता है। सरकार के अनुसार इस प्रकार की बिक्री का मुख्य ध्येय वित्तीय अनुशासन बढ़ाना और

आधुनिकीकरण में सहायता देना है। यह भी अपेक्षा की गई कि निजी पूंजी और प्रबन्धन क्षमताओं का उपयोग इन सार्वजनिक उद्यमों के निष्पादन को सुधारने में प्रभावोत्पादक सिद्ध होगा। सरकार को यह भी आशा थी कि निजीकरण से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के अंतर्वाह को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रश्न 32.
आर्थिक सुधारों के फलस्वरूप भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तथा विदेशी विनिमय रिजर्व पर क्या प्रभाव पड़ा है?
उत्तर:
आर्थिक सुधारों के फलस्वरूप भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तथा विदेशी विनिमय रिजर्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है तथा इनमें तेजी से वृद्धि हुई है। भारत में विदेशी निवेश (प्रत्यक्ष तथा संस्थागत विदेशी निवेश) वर्ष 1990 - 91 के 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर से ऊपर उठकर 2016 - 17 में 36 बिलियन डॉलर के स्तर पर पहुँच गया है। भारत में विनिमय रिजर्व का आकार भी 1990 - 91 में 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2014 - 15 में 321 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।

https://www.evidyarthi.in/